FACULTY OF STUDIES
BSF Academy, Tekanpur
Phone 07524-274100, 200,300/ Extn 321

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 1052/प्रेसनोट/अ0सं0/2015/1712–21 *26 सितंबर 2015*

दसवीं अन्तर सीमान्त कमाण्डो टीम प्रतियोगिता का समापन वीरता और साहस का अद्वितीय प्रदर्शन

26 सितंबर 2015, टेकनपुर, ग्वालियर। सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर के कमाण्डो प्रशिक्षण क्षेत्र में आयोजित दसवीं अन्तर सीमान्त कमाण्डो टीम प्रतियोगिता का समापन आज सीमा सुरक्षा बल अकादमी के निदेशक श्री शलेन्द्र सिंह तोमर, के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस दसवीं अन्तर सीमान्त कमाण्डो टीम प्रतियोगिता में 11 सीमान्तों क कमाण्डोज ने भाग लिया।

श्री तोमर ने विजयी टीम को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि आज सुरक्षा की दृष्टि से देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है। हमारी जमीनी एवं समुद्री दोनों सीमाएं राष्ट्र विरोधी तत्वों की घुसपैठ की दृष्टि से काफी संवेदनशील हो गयी हैं। नक्सलवाद काफी उग्र रूप धारण कर चुका है तथा कई राज्य इससे बुरी तरह प्रभावित हैं। नक्सलवाद के आतंक को नाकाम करने के लिए सीमा सुरक्षा बल की तैनाती की जा चुकी है। आपके जीवन में ऐसे कई अवसर आएंगे, जहां आपको कमांडो ऑपरेशन की सिखलायी का इस्तेमाल करते हुए, नक्सलवाद एवं आतंकवाद की गंभीर चुनौतियों एवं खतरों का सामना कर, अपने मानसिक एवं शारीरिक साहस का परिचय देना होगा। साथ ही मुख्य अतिथि महोदय ने उन सभी प्रतिभागियों को भी बधाई दी, जिनको प्रथम, द्वितीय या तृतीय स्थान प्राप्त नहीं हो सका, उन्होंने कहा कि किसी प्रतियोगिता में भाग लेना ही अपने आप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

इस प्रतियोगिता में पंजाब सीमान्त प्रथम, कश्मीर सीमान्त द्वितीय एवं जम्मू सीमान्त ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिन्हें मुख्य अतिथि श्री शैलेन्द्र सिंह तोमर निदेशक अकादमी ने ट्रॉफियां एवं मेडल प्रदान किये। कमाण्डो प्रतियोगिता के दौरान व्यक्तिगत श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर प्रथम स्थान पंजाब सीमान्त के कमाण्डो आरक्षक महेश माने, द्वितीय स्थान त्रिपुरा सीमान्त के कमाण्डो इश्वरदास तथा तृतीय स्थान पंजाब सीमान्त के कमाण्डो देवाराम ने प्राप्त किया है। मुख्य अतिथि श्री एस एस तोमर निदेशक अकादमी ने ट्रॉफियां प्रदान की। प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न करने हेतु अपना महत्वपूर्ण सहयोग देने के लिए सभी अधिकारियों को सूमति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस प्रतियोगिता में प्रत्येक टीम के 22 सदस्यों ने हिस्सा लिया और प्रत्येक टीम को अलग लक्ष्य दिया गया था, जिसे उसे जरूरी सामान व हर प्रकार के टारगेटों को बर्बाद करने वाले हथियार, गोला–बारूद तथा विशेष प्रकार के यंत्रों से लैस होकर पूरा करना होता था। प्रतियोगिता में कमाण्डो टीम ने सीधे युद्ध व छापामार युद्ध की विद्याओं का प्रदर्शन किया। टीम के सभी सदस्यों को कई–कई घण्टे आपरेशन करने की शारीरिक एवं मानसिक क्षमता के कौशल का प्रदर्शन करना भी प्रतियोगिता का एक हिस्सा था।

कमाण्डो एक जज्बे का नाम है, जिसमें शारीरिक क्षमता के साथ–साथ मानसिक रूप से मजबूती तथा विपरीत परिस्थितियों में भी विचलित न होते हुए अपने लक्ष्य को हासिल करने की इच्छाशक्ति होती है और बल के अधिक से अधिक जवानों में इस जज्बे को उभारना इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य होता है।

इस समापन समारोह के अवसर पर अकादमी के उच्च अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं टीमों के मैनेजर उपस्थित थे।

कमाण्डेन्ट,
अध्ययन संकाय

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रंक का विशेष ध्यान रखा जाये।